

प्रेषक,

शैलेश बगौली,
प्रभारी सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
खेल निदेशालय,
उत्तराखण्ड।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग -2

देहरादून: दिनांक १८ फरवरी, 2015

विषय :- खेल अवस्थापना सुविधा योजना (यूएस0आई0एस0) के अन्तर्गत स्पोर्ट्स स्टेडियम, काशीपुर, उधमसिंहनगर में बहुउद्देशीय इण्डोर हॉल का निर्माण कराने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1124/काशी0मलिट0हॉ0पत्रा0/12-13 दिनांक 20.01.15 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि खेल अवस्थापना सुविधा योजना (यूएस0आई0एस0) के अन्तर्गत स्पोर्ट्स स्टेडियम, काशीपुर, उधमसिंहनगर में बहुउद्देशीय इण्डोर हॉल का निर्माण हेतु टी0ए0सी0 द्वारा अनुमोदित ₹ 690.27 लाख (सिविल निर्माण कार्यों हेतु ₹ 550.82 लाख तथा अधिप्राप्ति नियमावली के अनुसार कराये जाने वाले कार्यों हेतु ₹ 139.45 लाख) के सापेक्ष शासनादेश संख्या-205/VI-2/2014-22(09)12 दिनांक 30.03.14 द्वारा धनराशि ₹ 180.00 लाख वित्तीय वर्ष 2013-14 में उपलब्ध करा दिये जाने के उपरान्त भारत सरकार से खेल अवस्थापना सुविधा योजना (यूएस0आई0एस0) के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में अवशेष धनराशि के सापेक्ष ₹ 330.27 लाख (तीन करोड़ तीस लाख सत्ताइस हजार मात्र) (Govt. of India की द्वितीय किश्त ₹ 0 240.00 लाख तथा राज्यांश की राशि ₹ 90.27 लाख) संगत मानक मद से आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :

2. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं0-284/XXVII(1)/2013 दिनांक 30 मार्च, 2013, में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। उक्त कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व वित्त विभाग के शासनादेश सं0-474/XXVII(7)/2008 दिनांक 15.12.08 के विहित शर्तों के अनुसार कार्यदायी संस्था से निर्धारित प्रपत्र पर एम0ओ0यू0 अवश्य हस्ताक्षरित करा लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
3. कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि मदवार स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।

4. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोगोंविधि द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
5. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूर्गवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
6. अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष समय-समय पर वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण शासन को प्रेषित किये जाय तथा समस्त कार्य निर्धारित समय अवधि के भीतर ही पूर्ण किया जाना भी सुनिश्चित किया जायेगा।
7. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.06 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
8. अधिप्राप्ति कार्यों हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
9. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका से करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। कार्य करते समय टेण्डर विषयक नियमों का भी अनुपालन किया जाय। यदि टेण्डर करने में कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति की लागत से कम लागत पर पूर्ण होता है तो ऐसे समस्त बचतों को प्रचलित वित्तीय नियमों का अनुपालन कर राजकीय कोष में जमा कर दिया जाय।
10. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। तथा विलम्ब के कारण आगणन किसी भी दशा में पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा। कार्य का गुणवत्ता परीक्षण नियोजन विभाग द्वारा चयनित संस्था से कराये जाने हेतु प्रस्ताव समयान्तर्गत नियोजन विभाग को प्रेषित करते हुए समयबद्ध कार्यवाही की जायेगी।
11. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के अनुदान संख्या-11 लेखाशीषक-4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजिगत परिव्यय-03-खेलकूद तथा युवक सेवा खेलकूद स्टेडियम-102-खेलकूद स्टेडियम-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं-0106-शहरी खेल अवस्थापना सुविधा-00-24-वृहत निर्माण कार्य मद आयोजनागत पक्षके नामें डाला जायेगा।
12. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-336(P)/XXVII(3)/2014-15 दिनांक 11.02.15 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(शैलेश बगौली)
प्रभारी सचिव

पृष्ठांकन संख्या- 97 /VI-2/2015-22(09)12 तददिनांकित।
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, ओबेराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।

2. वित्त आयोग निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
3. जिलाधिकारी, उधमसिंहनगर।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, उधमसिंहनगर / देहरादून।
5. बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
6. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
7. महाप्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम, देहरादून।
8. जिला कीडाधिकारी, उधमसिंहनगर।
9. एन0आई0सी0 देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(लक्ष्मण सिंह)

~~संयुक्त सीचव।~~

